एम.एच.डी.-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2008

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** काव्यांशों की व्याख्या कीजिए : *12×3=36*

(क) सुंदर बानी कहि समुझावै
विधवागन सों नेह बढावै ।
दयानिधान परम गुन-आगर
सखि सज्जन नहिं विद्यासागर ।

(ख) विफल जीवन व्यर्थ बहा, बहा,
सरस दो पद भी न हुए हहा !
कठिन है कविते, तुम भूमि ही,
पर यहाँ श्रम भी सुख-सा रहा ।

(ग) रुधिर के हैं जगती के प्रात,
चितानल के ये सायंकाल
शून्य निःश्वासों के आकाश,
आँसुओं के ये सिन्धु विशाल;

(घ) मुझे दुःख नहीं मैं किसी का नहीं हुआ ।
दुःख है
कि मैंने सारा समय
हरेक का होने की
कोशिश की ।

(ङ) एक सम्पूर्ण स्त्री होने के पहले ही
गर्भाधान की क्रिया से गुज़रते हुए
उसने जाना कि प्यार
घनी आबादी वाली बस्तियों में
मकान की तलाश है

2. "मैथिलीशरण गुप्त द्विवेदी-युग के प्रतिनिधि कवि हैं ।" क्या आप इस विचार से सहमत हैं ? 16

अथवा

निराला की कविताओं में नवजागरण के स्वर को रेखांकित कीजिए ।

3. अज्ञेय के काव्य में अंतर्वस्तु और शिल्प की दृष्टि से किए गए प्रयोगों का मूल्यांकन कीजिए । *16*

अथवा

"शमशेर कवियों के कवि हैं ।" इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

4. अकविता के सन्दर्भ में धूमिल की कविता का मूल्यांकन कीजिए । *16*

अथवा

रघुवीर सहाय की कविताओं में व्यंग्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *8×2=16*

(क) छायावाद

(ख) नागार्जुन

(ग) नयी कविता

(घ) भारतेन्दु-युगीन कविता